दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 156
मुरादाबाद
(Saturday)
27 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने छात्रों को वितरित की छात्रवृत्ति, बोले- अब बिना किसी भेदभाव के विद्यार्थियों को मिलता है लाभ

फरवरी-मार्च में मिलने वाली छात्रवृत्ति इस बार सितंबर में नवरात्र के अवसर पर छात्रों को दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के चार लाख छात्र-छात्राओं को दिवाली गिफ्ट देते हुए छात्रवृत्ति वितरित की। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ में किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति सितंबर के महीने में मिल रही है। इसकी सभी विद्यार्थियों को

बधाई। पहले जो छात्रवृत्ति फरवरी-मार्च में मिलती थी अब सितंबर में मिला करेगी। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले छात्रों को छात्रवृत्ति देने में भेदभाव किया जाता था। 2017 में जब हमारी सरकार आई तो हमने 2016-17 और 17-18 की छात्रवृत्ति एक साथ दी। मुख्यमंत्री योगी ने प्रतीकात्मक तौर पर कई विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का चेक प्रदान किया। बता दें कि फरवरी-मार्च में मिलने वाली छात्रवृत्ति इस बार सितंबर में नवरात्र के अवसर पर छात्रों को दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कई बार विद्यालयों से छात्रवृत्ति के लिए डाटा फीड करने में त्रुटि हो जाती है। ऐसे में छात्र अपने अधिकार से वंचित रह जाता है। इसके लिए हम एआई के माध्यम से प्रक्रिया को सरल बना रहे हैं जिससे कि प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम हो और जैसे ही छात्र का पंजीकरण हो जाए उसके फोन पर पूरी डिटेल उपलब्ध हो और समय पर छात्रवृत्ति पहुंच जाए। इसकी व्यवस्था की जा रही है।सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी शिक्षा से, अपनी योग्यता से हमारे देश को और समाज को दिशा दी थी। सरकार का प्रयास है कि हर छात्र को सहायता मिले जिससे कि वो अपनी शिक्षा से समाज के विकास में योगदान दे सके। समाज कल्याण मंत्री बोले- जिन्हें पिछले वर्ष छात्रवृत्ति नहीं मिली, उन्हें भी दी जाएगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूपी सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा है कि योगी सरकार ने पिछले वर्ष 60 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति दी है। इस बार एक नई बात ये होगी कि जो बच्चे किसी भी कारणवश भले ही वो तकनीकी कारण रहे हों छात्रवृत्ति लेने से वंचित रहे हैं। उन्हें भी इस वर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी साथ ही एक ऐसी एप का भी विकास किया जाएगा जिसमें बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति की पूरी जानकारी होगी। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि कोई भी बच्चा छात्रवृत्ति से वंचित न रह जाए।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखे बनाने की दी इजाजत, दिल्ली-NCR में बिक्री पर रोक

देश की सर्वोच्च अदालत ने ग्रीन पटाखों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। लेकिन इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध को जारी रखा है। कोर्ट ने यह भी शर्त रखी है कि सिर्फ वही निर्माता पटाखे बनाएंगे जिनके पास ग्रीन पटाखे का सर्टिफिकेट होगा।दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए दिल्ली-एनसीआर में सभी तरह के पटाखों की बिक्री पर रोक लगा दी है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पटाखा निर्माताओं को ग्रीन पटाखे बनाने की इजाजत दे दी है। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि ये पटाखे दिल्ली-एनसीआर में नहीं बेचे जाएंगे, जब तक अगला आदेश नहीं आता। कोर्ट ने शर्त रखी है कि सिर्फ वही निर्माता पटाखे बनाएंगे जिनके पास ग्रीन पटाखे का सर्टिफिकेट होगा। यह प्रमाणपत्र नीरी और पेसो (पीईएसओ) जैसी अधिकृत एजेंसियों से ही जारी होना चाहिए।पटाखा बनाने वालों को देना होगा लिखित वचन- बता दें कि पटाखा निर्माताओं को यह भी लिखित वचन देना होगा कि वे दिल्ली-एनसीआर में कोई पटाखा नहीं बेचेंगे। यह आदेश इसलिए दिया गया है क्योंकि इस क्षेत्र में दिवाली के समय प्रदूषण का स्तर बहुत बढ़ जाता है। इस मामले पर अगली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट यह तय करेगा कि आगे बिक्री पर क्या कदम उठाए जाएं। पूरे देश में नहीं लगा सकते रोक- बीआर गवई - बता दें कि, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह फैसला सुनाया।

2026 चुनाव के बाद 'सोनार बांग्ला' बनेगा बंगाल, दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन में बोले अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए बंगाल और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के चुनावों के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बने जो राज्य को फिर से 'सोनार बांग्ला' बनाए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के मशहूर संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बंगाल और देशवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि नौ दिनों तक चलने वाला शक्ति की उपासना का यह पर्व आज पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया है। साथ ही उन्होंने इस दौरान मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बने, जो राज्य को फिर से 'सोनार बांग्ला' (स्वर्णिम बंगाल) बना सके।

गृह मंत्री ने कहा कि नवरात्रि और दुर्गा पूजा अब सिर्फ बंगाल और भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे पूरी दुनिया में सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल की ये महान परंपरा अब वैश्विक पहचान बन चुकी है। पूरे नौ दिन राज्य में शक्ति की उपासना होती है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व बंगाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए और राज्य के विकास के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार किया जा सके। बारिश से हुई मौतों पर जताया दुख- इस दौरान शाह ने दुर्गा पूजा की शुरुआत में हुई भारी बारिश और हादसों पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा, त्योहार की शुरुआत एक दुखद घटना से हुई, जहां 10 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

मैं उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गौरतलब है कि 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलधार बारिश से कम से कम 11 लोगों की मौत हुई थी विद्यासागर को श्रद्धांजलि- इसके सात ही इस मौके पर शाह ने महान समाज सुधारक और शिक्षाविद ईश्वरचंद्र विद्यासागर को उनकी जयंती पर याद किया।

उन्होंने कहा कि विद्यासागर जी ने बंगाल ही नहीं, पूरे भारत में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया, खासकर महिलाओं की शिक्षा के लिए। उन्होंने अपना जीवन बंगाली भाषा और संस्कृति के लिए समर्पित किया। इसके साथ ही अमित शाह ने सॉल्ट लेक स्थित ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर (ईजेडसीसी) में भाजपा समर्थित पश्चिम बंगा संस्कृति मंच के दुर्गा पूजा पंडाल का भी उद्घाटन किया।

बरेली में छावनी बनीं गलियां तो मौलाना तौकीर के बदले सुर, प्रदर्शन टाला... अब राष्ट्रपति को भेजेंगे ज्ञापन

मौलाना तौकीर रजा खां ने शुक्रवार को इस्लामिया मैदान पर प्रदर्शन नहीं करेंगे। प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण यह निर्णय लिया गया है। वहीं जुमे की नमाज के चलते शहर में चौकसी बढ़ाई गई है। बृहस्पतिवार शाम को डीएम और एसएसपी ने भारी पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया। बरेली में आई लव मोहम्मद मामले में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां बृहस्पतिवार देर रात प्रदर्शन की बात से पलट गए। आईएमसी की ओर से पत्र जारी कर बताया गया कि अनुमति नहीं मिलने के कारण यह निर्णय लिया गया है। अब जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजेंगे। पत्र में नवरात्र और उर्स का हवाला देते हुए संगठन की ओर से लोगों ने अपील की गई कि शुक्रवार को नमाज पढ़कर अपने घर चले जाएं। इस्लामिया मैदान में कोई कार्यक्रम नहीं होगा। शहर में अमन और शांति बनाए रखें। इधर, मौलाना तौकीर के प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने सौदागरान और विहारीपुर की गलियों को छावनी बना दिया है। इन्हीं गलियों में घूमकर डीएम एसएसपी ने बिना अनुमति आयोजन पर कार्रवाई की बात कह दी। देर रात तक आईएमसी प्रवक्ता का भी मौलाना से संपर्क नहीं हो पा रहा था। कानपुर से शुरू हुई चिंगारी ने कई जगह हंगामा बरपाया है। बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने इस मामले पर नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को धरना प्रदर्शन करने और कलक्ट्रेट जाकर अधिकारियों को ज्ञापन देने का ऐलान किया था। मौलाना को किया जा सकता है नजरबंद

अब पुलिस-प्रशासन ने इसे रोकने की पूरी तैयारी कर कर ली है। मौलाना नहीं माने तो शुक्रवार सुबह ही उन्हें नजरबंद किया जा सकता है। मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीशी ने संदेश भेजकर मीडिया को बताया कि पारिवारिक व्यस्तता की वजह से मौलाना किसी की कॉल रिसीव नहीं कर रहे हैं। पार्टी प्रमुख से उनकी भी बात नहीं हो पा रही है। वहीं, मौलाना तौकीर से भी देर रात तक संपर्क नहीं हो सका।जिले में धारा-163 लागू - डीएम और एसएसपी ने विहारीपुर इलाके में घूमकर कहा कि बिना अनुमति के किसी ने भी रैली निकालने या प्रदर्शन करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि जिले में धारा-163 (पूर्व में 144) लगी है। पूरे जिले में रैली, धरना-प्रदर्शन पर रोक लगी है। उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी। माहौल खराब करने की कोशिश की तो होगी कार्रवाई - एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि नवरात्र में अगर कोई व्यक्ति माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। एसएसपी ने बताया कि 15 कंपनी पीएसी के साथ ही 37 सौ पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। इसमें दूसरे जिलों से 200 दरोगा, 500 सिपाही, पांच कंपनी पीएसी, जिले से 700 दरोगा, 2500 आरक्षी और मुख्य आरक्षी मौजूद रहेंगे। 13 सीओ, पांच एडिशनल एसपी भी तैनात किए गए हैं। 15 क्यूआरटी तैनात- आठ ड्रोन टीमें व 15 क्रिक रिस्पांस टीमें स्थिति पर नजर रखेंगी। आईसीसीसी के सभी कैमरों से मॉनिटरिंग की जाएगी। लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए 800 महिला आरक्षियों और अन्य कर्मियों के साथ अधिकारियों ने बिहारीपुर चौकी, मलूकपुर चौकी से किला रोड, बड़ा बाजार, महादेव पुल, साहू गोपीनाथ इंटर कॉलेज, मिर्ची स्ट्रीट से श्यामगंज चौकी तक रूट मार्च किया।

यूपी में सरयू से संगम तक पदयात्रा करेगी आम आदमी पार्टी, रोजगार और सामाजिक न्याय होगा मुद्दा

आम आदमी पार्टी यूपी में रोजगार दो सामाजिक न्याय दो के मुद्दे पर पदयात्रा करेगी। आप सांसद संजय सिंह ने युवाओं से यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है।आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में सरयू से संगम तक पदयात्रा का आयोजन करेगी। यात्रा युवाओं के रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर की जाएगी। यात्रा की शुरुआत सरयू के तट से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्तूबर को होगी और 15 नवंबर को संगम के तट पर समाप्त होगी। इसकी जानकारी आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दी। उन्होंने यात्रा में युवाओं से शामिल होने का आह्वान किया है। आप सांसद ने कहा कि प्रदेश में रोजगार एक बड़ा मुद्दा है। युवाओं को रोजगार चाहिए लेकिन सरकार नहीं दे पा रही है। पेपर लीक आम हो गया है। वहीं, जातियों के आधार पर लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसलिए यात्रा का विषय रोजगार दो सामाजिक न्याय दो रखा गया है। ये पदयात्रा अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगी जो कि 200 किलोमीटर की होगी।ये बचत उत्सव नहीं चपत उत्सव है आप सांसद ने जीएसटी की दरों में बदलाव को लेकर केंद्र की मोदी सरकार को घेरा और कहा कि आठ साल तक देश की जनता को लूटा गया। उनसे 127 लाख करोड़ वसूल लिए गए और अब कह रहे हैं कि राहत देंगे। सब नहीं चपत उत्सव है।

संपादकीय Editorial

These winds will collide.

The context of movements in Himachal is shifting, reflecting a new interpretation of social rights. Surprisingly, two movements have heated up the Kangra arena this time. The first struggle, advocating for the constitutional rights of the OBC community, opened several chapters of politics, followed by a protest against the measurement of illegal constructions based on court orders. Public anger doesn't arise without reason, and wherever slogans like "My home, my rights, my job" are raised, a surge of youthful energy can be seen. If we ignore the frustrations of recent national and international events, the winds of neighboring states will collide here as well. The eruption of anger in the streets of Ladakh may not be justified from a law and order perspective, but the friction between the issues must be recognized. Indeed, the movement there has been rooted in questions of political equality, hopes for geographical existence, and the wounds of unemployment. However, the youth, who have been consistently ignored, have declared the streets a wound of time. If a similar struggle is seen unfolding on Dehradun's Rajdhani Path, we must acknowledge that the nation's issues are now on the lips of the youth, and politics and governance must be transformed to accommodate them. Here in Himachal, there's a need for alignment between the young generation and the governance ladder. We may have pinned 70% of Himachali employment on industrial development, but we haven't seen when the BBN map will be completed in the spirit of this right. The drumbeat of government jobs remains unfulfilled, and the quality of educational institutions fails to inspire a sense of purpose. When did all political rhetoric become a reflection of the youth? Sorry, now it's not buildings, but youth who are speaking. Unemployment, not degrees, is speaking. Contrary to the shared-upon-share of state politics over the past two or three decades, hungry issues are now emerging as lions. The focus should be on how Himachal's governments have cultivated budgets, development, social hope, and public character, such that the state's ambitions are political, yet the state has become a government servant in its behavior. Defining employment in terms of government jobs has left the state mired in debt. Now, the problem is that even when economic reforms are needed, we're only fueling resentment for the next generation by pitting the ruling party against the opposition. When young people don't see themselves on the big screen of politics, their aspirations can become frenzied. Surprisingly, instead of correcting employment discrepancies, government job gifts and rewards are so rampant that top officials remain eligible for extensions even after retirement. Jobs may be a myth, but employment is the greatest source of hope. What exactly is our employment structure? The expansion of a few employment offices, the Staff Selection Commission, the State Services Commission, or other examinations. Currently, 28 to 30 percent of Himachal's youth population is either cursing themselves after studying or integrating future plans into the process of education. For employment, it's not the expansion of government offices that's essential, but the creation of a self-employment structure, encouragement of private investment, a foundation for innovation, and the expansion of IT and industrial parks. Otherwise, the younger generation will pick up stones from the very paths they're currently traversing, expressing their anger over their right to life under one pretext or another. By changing policies, solutions, and priorities, the significance of youthful ambition needs to be transformed into the state's strength. Himachal's youth, not government employees.

It's not right to forget the problems caused by excessive rainfall, floods, and waterlogging that destroy infrastructure as soon as the monsoons leave.

The 2019-2020 vision called for an investment of $270 billion over 15 years in water infrastructure development in India. This vision needs to be reconsidered. The need of the hour is to establish a network of pipelines or canals for drainage that can maintain water balance between regions. This complete shift in rainfall monsoon has demonstrated a patterns. Heavy rains were experienced in many parts of the country as the monsoons departed. Considering the experiences of past decades, floods were primarily concentrated in eastern and northeastern states such as Assam, West Bengal, Bihar, and eastern Uttar Pradesh, but this year's scenario is completely different. Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Uttarakhand, as well as Gujarat, Maharashtra, Rajasthan, Haryana, Delhi, and Punjab experienced severe floods. In Punjab and Haryana, considered major food-producing regions for the country, floods destroyed standing crops on millions of hectares. Cloudbursts caused massive loss of life and property in various parts of hilly states like Uttarakhand, Himachal Pradesh, and Jammu and Kashmir. This should not be considered mere coincidence. It is now clear that natural disasters like storms, cyclones, excessive rainfall, cloudbursts, and landslides will increase due to climate change. This will lead to the loss of all types of crops across the country, as well as damage to existing infrastructure such as railways, roads, electricity, major bridges, and telecommunication networks. Consequently, the nation will suffer widespread losses. Serious consideration should be given to a sustainable and long-term solution to this problem, and this should not be delayed. It would not be right to forget the problems caused by floods and waterlogging as soon as the monsoon ends. Numerous scientific studies indicate that the frequency of cloudbursts may increase in the coming years, and the intensity of rainfall will also be unpredictable. Predicting when, where, and how much rainfall will occur will also be difficult. To date, no meteorological satellite or instrument in the world has been able to predict cloudbursts, nor is it likely to in the near future. Therefore, instead of enduring repeated damage to water-related infrastructure, robust infrastructure should be built nationwide simultaneously. India's development journey has seen the establishment of a comprehensive network of roads, railways, airways, civil aviation, power, telecommunications, and mobile networks. Substantial investment continues in these sectors, contributing to India's emergence as a major economy. Efforts have also been made to strengthen water infrastructure over the past 50 years, but they appear insufficient today. River interlinking projects have been under consideration since 1972, but only a few examples have materialized. The relevance of the creation of the Jal Shakti Ministry will be further strengthened if the two main objectives of the Jal Shakti Abhiyan—"tap water to every home" and "water to every farm"—are achieved through a network of pipelines or open canals, utilizing all types of water resources. In our country, the construction of water infrastructure fails to generate adequate revenue. Consequently, whatever infrastructure is built, the necessary resources, both human and financial, are allocated very little for its maintenance. Investments in other sectors, such as railways, roads, air transport, and mobile networks, generate revenue and other benefits for related organizations. Consequently, private companies are hesitant to invest in water infrastructure development. The current government's goal is a self-reliant and developed India. This goal will be achieved only when India is water-secure, as agricultural security depends on water security. In the future, the adverse effects of climate change will be more severe in urban and rural areas. This will result in major crises in the country. Only nature knows the nature of the water crisis caused by excessive rainfall. India, with its largest population, is always preparing for disaster management and prevention. Now, it also needs to develop efficient drainage infrastructure at every level. It would be better to integrate this with river-linking projects, so that floodwater from one location becomes a protected water resource for another, rather than flowing into the sea. There should be no further delay in accelerating the pace of water infrastructure construction and increasing public investment. According to the 2019-2020 vision, $270 billion was to be invested over 15 years in water infrastructure development in India. This vision needs to be reconsidered. The need of the hour is to establish a network of pipelines or canals for water drainage that can establish water balance between regions. Only by investing heavily, like China, in building a robust nationwide water infrastructure can India become a self-reliant and developed nation by 2047.

GCCs are becoming new engines of progress, creating 25 million new jobs and giving innovation a boost.

Industry organization CII has also suggested several measures to further strengthen the GCC ecosystem. It has suggested establishing a National GCC Council to coordinate between the central government, states, and global investors. Digital Economic Zones (DEAZs) should be developed with world-class infrastructure for advanced sectors such as AI, space technology, and quantum analytics. India has recently emerged strongly on the map of Global Capability Centers (GCCs). These centers, known as GCCs, are emerging as new engines of growth. Following US President Trump's arbitrary restrictions on H1B visas, the scope of opportunities emerging for India on the GCC front could expand further. The changed circumstances will provide greater scope for attracting investment and absorbing talent. In a way, H1B visa restrictions could also serve as a means to accelerate employment expansion and innovation in the country. A GCC is a workplace established by a multinational company in another country. The purpose of their establishment is to handle critical aspects of business such as software development, research, data analysis, customer support, or financial management. While the country once fostered a culture of call center operations, these GCCs go beyond that. They design new products, develop AI-enabled tools, handle global banking operations, and even conduct high-level research for their parent companies. More than 1,800 GCCs are active in India, employing over 2.16 million people. Key factors such as India's large talent pool, relatively low costs, and visa ease are driving global giants to establish GCCs here. The Indian GCC ecosystem is becoming a hub for global giants to innovate more quickly, benefiting Indian talent. A recent PwC report titled "Catalyzing Value Creation in Indian Global Capability Centers" highlights the importance of GCCs for global companies and the Indian economy. Despite assuming a small portion of their parent companies' operations, GCCs have managed to add 10 to 11 percent of value to their parent companies annually between fiscal years 2020 and 2024. A report by the Boston Consultancy Group (BCG) indicates that India is not only the largest GCC hub but also the most balanced in terms of performance. Thirty percent of GCCs in India are high performers, while only six percent are underperforming. This aspect is crucial, as Indian GCCs are now expanding into cutting-edge and advanced areas such as AI, cloud computing, cybersecurity, data analytics, and user experience design. They are also involved in the digital transformation process across risk and compliance, supply chain management, customer service delivery, and operations. At a time when AI and GenAI are still in their infancy, Indian GCCs are transforming from cost-saving and distribution roles to innovation hubs, enabling global companies to enhance their competitiveness and progress. The central government is also engaged in promoting GCC. Finance Minister Nirmala Sitharaman recently stated at a conference in Visakhapatnam that the central government, in collaboration with the states, is committed to making India the most attractive destination for GCC. She implied that while metropolises like Bengaluru, Hyderabad, and Gurugram are currently leading this effort, the next wave of growth should be in Tier-2 and Tier-3 cities. This requires a focus on infrastructure, digital connectivity, and skill development. The central government is also boosting efforts on this front by increasing capital expenditure. Capital expenditure, which was 1.7 percent of GDP in FY 2014, increased to 3.2 percent in FY 2025. This has led to the expansion of airports, railways, metros, ports, and highways across the country. Industry body CII has also suggested several measures to further strengthen the GCC ecosystem. It has suggested the establishment of a National GCC Council to coordinate between the central government, states, and global investors. Digital Economic Zones (DEAZs) should be developed with world-class infrastructure for advanced sectors such as AI, space technology, and quantum analytics. It also emphasized strengthening industry-academia partnerships through centers of excellence in areas such as cybersecurity, engineering research and development, and product innovation. The next phase of GCC expansion will expand beyond metropolitan areas, including a single-window permitting system to expedite land acquisition, data center, and compliance clearances for global companies. Second, it is equally important to design targeted incentives for high-value activities that will position GCCs in areas such as research and development, product design, and cybersecurity. Third, improve infrastructure and other related aspects in smaller cities. Fourth, bridge the skills gap by developing forward-looking sectors. There is a need to launch large-scale skills development and certification programs in the GCC, based on industry-academia partnerships.

मिशन शक्ति के अंतर्गत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कुंदनपुर में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

छात्राओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की दी जानकारी। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद में विभिन्न प्रकार की जागरूकता गतिविधियां आयोजित कराई जा रही हैं। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग की टीम द्वारा लगातार विभिन्न चिन्हित स्थलों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित करके बेटियों और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। महिला कल्याण की टीम द्वारा मुरादाबाद शहर स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज लाइनपार कुंदनपुर पहुंचकर छात्राओं को उनके अधिकारों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के महत्व और उद्देश्य के बारे में भी बताया गया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राओं से उन्हें आवागमन के दौरान होने वाली सामान्य तौर पर समस्याओं के बारे में भी चर्चा की गई साथ ही बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता भी बताई गई। छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 1098, 1076 के साथ ही साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मिशन शक्ति के अंतर्गत 22 सितंबर से 90 दिवस के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस जागरूकता अभियान में पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, युवा कल्याण विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा, नगर विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, संस्कृति विभाग, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और परिवहन विभाग सहित विभिन्न विभागों को जागरूकता गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी जानकी आर्या, विद्यालय की प्रधानाचार्य मुग्धा अग्रवाल, मनो सामाजिक परामर्श दाता तनीषा दिवाकर, ऑल इंडिया वूमेन कांफ्रेंस की अध्यक्ष रीता सिंह केस वर्कर जिल्लेहुमा आदि मौजूद रहे।

विदेशियों में छाया हुनरमंद यूपी, कारीगरी का अनूठा जलवा, लखनऊ से लेकर बरेली तक इन उत्पाद ने मनमोहा

ग्रेटर नोएडा में शुरू हुए उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार हुनरमंद यूपी का जलवा सबसे अलग और खास दिख रहा है। रंग-बिरंगे पंडालों और आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉलों में जब विदेशी मेहमानों की नजरें कारीगरी पर पड़ीं तो हर कोई प्रभावित हुआ। लखनऊ की चिकनकारी और ज़री-जरदोजी, बरेली का बांस शिल्प, जरी-जरीफा और हथकरघा उत्पाद, मुरादाबाद का पीतल, काशी की बुनाई और कानपुर के उद्योग ने बाजार में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई। अयोध्या में प्रभु राम का पंडाल बेहद खास रहा।ट्रेड शो के पहले ही दिन यूपी के पारंपरिक हुनर और आधुनिक डिजाइन का संगम देखने को मिला। करीब 80 देशों से आए प्रतिनिधियों ने यूपी के हस्तशिल्प, बनारसी साड़ी, चिकनकारी, काष्ठकला, पीतल उद्योग, जरी-जरदोजी और अन्य उत्पादों को बड़े गौर से देखा और खरीदारी में गहरी रुचि दिखाई। राजधानी लखनऊ से आए कारीगरों की कढ़ाईदार कुर्तियां और साड़ियां विदेशी महिलाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनीं। वहीं, बनारस से आए बुनकरों की रेशमी साड़ियों पर उकेरी बारीकी ने सबका मन मोह लिया।प्रदर्शनी महज हस्तशिल्प तक सीमित नहीं रही। मुरादाबाद की पीतल कारीगरी, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी और अलीगढ़ के ताले जैसे उत्पाद भी स्टॉलों पर खूब सराहे गए। कई विदेशी कारोबारी प्रतिनिधियों ने यहां लगे स्टॉल्स पर सीधे कारोबारी करार करने में रुचि दिखाई। आयोजकों के मुताबिक, यह ट्रेड शो सिर्फ उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यूपी की विरासत और कारीगरी को दुनिया के सामने पेश करने का बड़ा मंच भी है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप विकसित यूपी ञ्च2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह ट्रेड शो हुनरमंद युवाओं और कारीगरों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है। तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप्स के साथ पारंपरिक कारीगरी की भागीदारी ने इसे और खास बना दिया है। यहां यूपी की प्रतिभा का वह अनूठा संगम दिखा जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को न सिर्फ भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर हुनरमंद हब के रूप में स्थापित करेगा। इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपी के शहरों की खासियत बरेली ज़री-ज़रीफा और हथकरघा उत्पाद फर्नीचर और शिल्पकला ओडीओपी पवेलियन में स्थानीय उत्पाद कानपुर लेदर सिटी के चमड़े के उत्पाद रेडीमेड गारमेंट्स और टेक्सटाइल आईआईटी कानपुर की स्टार्टअप इनोवेशन लखनऊ चिकनकारी और जरी-जरदोजी की पहचान अवध की तहजीब और सांस्कृतिक उत्पाद आईटी हब व स्टार्टअप इकोसिस्टम मुरादाबाद विश्व प्रसिद्ध पीतल नगरी का ब्रासवर्क हस्तनिर्मित होम डेकोर व कटलरी निर्यात आधारित धातु शिल्प अयोध्या राम नगरी का धार्मिक व सांस्कृतिक आयाम राम मंदिर व पर्यटन केंद्रित स्टॉल रामायण आधारित आर्ट और हस्तशिल्प

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चंद्र एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुरादाबाद शहर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की साथ ही साफ सफाई को दुरुस्त बनाए रखने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक तीन माह में राजनीतिक करने के निर्देश हैं। जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी एवं पंचायत भवन में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली पूर्वाह्न 11:00 बजे से मुरादाबाद शहर स्थित जिगर एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ संबंध में जागरुकता हेतु जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी के अन्तर्गत एक दिवसीय जनपद स्तरीय मेला सह जायेगा। कृषक संगोष्ठी के माध्यम से आगन्तुक कृषकों खेती मिलेट्स उपभोक्ता, उन्नत कृषि तकनीक एवं तकनीकी प्रयोग एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर जनपद के कृषि एवं कृषि सहयोगी विभागों के द्वारा स्टॉल/प्रदर्शनी के माध्यम से विभागीय कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार एवं उन्नत प्राकृतिक कृषि विषयों पर प्रदर्शनियों तथा अन्य (मिलेट्स) से बने खाद्य पदार्थो को भी प्रदर्शित किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने कृषि क्षेत्र से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में अपने विभाग का स्टॉल लगाते हुए अपने विभाग के प्रगतिशील कृषकों को भी प्रतिभाग कराएं तथा अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी कार्यक्रम में उपलब्ध कराएंगे।

मौजूदगी में वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया भी उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। भारत दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में वेयरहाउस का निरीक्षण उ.प्र. श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम 26 सितम्बर को अविनाश जोशी ने बताया कि दिनांक 26 सितम्बर 2025 को मंच पंचायत भवन परिसर कम्पनी बाग में प्रमोशन ऑफ क्रॉप रेजीड्यू योजना के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एवं उ.प्र. श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम (राज्य सेक्टर) प्रदर्शनी का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया को फसल अवशेष प्रबन्धन के संबंध में जानकारी, मिलेट्स की अद्यतन कृषि विधियों की जानकारी, कृषकों को नवीनतम कृषि

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्वच्छता ही सेवा विषय पर रैली का आयोजन

सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन चित्रगुप्त इंटर कॉलेज मुरादाबाद में- एंट्री निःशुल्क केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के कार्यालय मुरादाबाद से जन जागरूकता रैली जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं, एवं क्षेत्र के निवासियों ने प्रतिभाग किया। एवं प्रसारण मंत्रालय , मुरादाबाद द्वारा पोषण सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रगुप्त इंटर गया है । इस आयोजन की जानकारी से कमिश्नर नगर निगम मुरादाबाद निशा मिश्रा किया । क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सागर वाहन के साथ पोस्टर , पंपलेट का वितरण जगह बैनर लगाकर लोगों को सेवा सुशासन वर्ष पर आयोजित होने वाली चित्र प्रदर्शनी किया गया । प्रचार वाहन के साथ जीवन के द्वारा नुक्कड़ नाटक और गीतों के माध्यम इस कार्यक्रम के विभिन्न विषयों से संबंधित दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 26 सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, गोष्ठी, मैजिक शो, आयोजित की जाएंगी। 27 सितंबर तक निःशुल्क है। 25 से 29 सितंबर 2025 के मार्ट ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 का शुभारंभ हुआ। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो में मुरादाबाद के विभिन्न श्रेणियों के भारी सख्या में निर्यातकों ने प्रतिभाग किया। संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री योगेश कुमार ने बताया कि ट्रेड शो में मुरादाबाद के पीतल उत्पादों के आकर्षक स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों का भारी संख्या में लोगों द्वारा भ्रमण किया जा रहा है।

अंतर्गत नगर निगम का आयोजन किया गया अध्यापकों, अभिभाविकों केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना माह, स्वच्छता ही सेवा एवं वर्ष के अवसर पर तीन कॉलेज, मुरादाबाद में किया लैस प्रचार वाहन को संयुक्त ने हरी झंडी दिखाकर रवाना कुमार ने बताया कि प्रचार किया गया है एवं जगह- और गरीब कल्याण के 11 देखने के लिए आमंत्रित ज्योति नृत्य नाट्य संस्थान से घूम घूम कर लोगों को जानकारी दी गई है । 3 और 27 सितंबर को विभिन्न प्रतियोगिताएं जारी इस प्रदर्शनी में एंट्री मध्य निर्धारित एक्सपो

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद कचहरी में ब्लॉक प्रमुख को गोलियों से भूनने वाला गिरफ्तार

भाई की हत्या का बदला लेने के लिए मुरादाबाद कचहरी में दिनदहाड़े ब्लॉक प्रमुख योगेन्द्र सिंह उर्फ भूरा की गोलियों से भून कर हत्या करने के दो लाख के इनामी बदमाश सुमित चौधरी निवासी नवैनी गद्दी थाना हजरतनगर गढ़ी मुरादाबाद को स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने पीलीभीत जाने वाले मार्ग पर इज्जतनगर क्षेत्र से गुरुवार को गिरफ्तार किया है।आरोपी सात साल पहले बदायूं की जिला जेल की दीवार फांदकर फरार हो गया था।बदमाश सुमित कुमार पर 2010 में मुरादाबाद के बिलारी थाने में आर्म्स एक्ट, मारपीट, धमकाने की रिपोर्ट दर्ज हुई। 2013 में मुरादाबाद के सिविल लाइन थाने में बलवा, जानलेवा हमला, धमकाने के अलावा वहीं की कोतवाली में भी रिपोर्ट दर्ज हुई थी। 2014 में हजरतनगर गढ़ी थाने में मानव सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज हुआ। 2015 में मुरादाबाद के सिविल लाइन थाने में बलवा, हत्या आयुध अधिनियम और साल 2023 में समन की तामील के बाद भी जानबूझकर अदालत में पेश न होने पर मुरादाबाद के सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई। एसपी एसटीएफ अब्दुल कादिर ने बताया कि बदमाश सुमित पहचान छिपाकर नेपाल समेत कई स्थानों पर शरण लिए था। दोबारा नेपाल भागने की फिराक में था कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अध्यापिका पर तेजाब फेंकने वाला पुलिस मुठभेड़ में घायल

संभल जनपद के नखासा थाना क्षेत्र में स्कूल से लौट रही अध्यापिका पर एसिड अटैक करने के आरोपी के साथ पुलिस

की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैर में पुलिस की गोलियां लगीं। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शरीफपुर गांव की रहने वाली अध्यापिका भावना दो दिन पहले स्कूल की छुट्टी के बाद घर वापस लौट रही थी तभी गांव के नजदीक स्कूटी सवार एक युवक ने उसे पर एसिड अटैक कर दिया था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी स्कूटी लेकर फरार हो गया था। अध्यापिका को गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीम लगी हुई थीं। गुरुवार रात को आरोपी के नारायणपुर गांव के निकट होने की सूचना मिली तो पुलिस की टीमों ने उसकी घेराबंदी कर ली। पुलिस क्षेत्र अधिकारी असमोली कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की तो आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। उसे घायल अवस्था में पकड़ने के बाद इलाज के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। आरोपी की पहचान नीशु निवासी तिगरी थाना गजरौला जनपद अमरोहा के रूप में हुई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियां शुरू, बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाईजर को दिया प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । चुनाव आयोग के निर्देशानुसार आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों के सम्बन्ध में 120 भोजीपुरा, 123 बिथरी चैनपुर, 124 बरेली व 125 बरेली कैण्टोंमेन्ट के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भानू प्रताप सिंह ने बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाईजर को 23.09.2025 से 26.09.2025 शुक्रवार तक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी।इस वीआरसी से ऋषि कुमार,दौरान सुपरवाइजर दिनेश कुमार सिंह, बीएलओ वर्षा गुप्ता,दीक्षा सिंह, दुर्गा सिंह, सीमा यादव राजेश कुमार,खलील अहमद, कुलदीप गंगवार, मोहित रस्तोगी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

आई लव मोहम्मद के बैनर लेकर सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग, पुलिस की सूझबूझ ने टाला बबाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बरेली । शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शहर के अलग-अलग इलाकों में आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर बैनर लेकर सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे। इस दौरान खलील स्कूल के पास कुछ शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ की। पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए लाठी पटकीं। साथ ही मौलाना तौकीर रजा को नजरबंद कर लिया गया है। डीआईजी रेंज बरेली अजय कुमार साहनी ने कहा कि नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। कुछ शरारती तत्व माहौल खराब करना चाहते थे, उन्हें खदेड़ दिया गया है। एसपी क्राइम से हुई नोकझोंक श्यामगंज में पुलिस ने प्रदर्शन करने वालों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान करते हुए आगे बढ़ती गई। स्थिति को लेकिन जुलूस के रूप से भीड़ नारेबाजी भी बंद करा दी गईं। नौमहला मस्जिद देखते हुए श्यामगंज में पुलिस ने दुकानें ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। के बाहर भी सैकड़ों लोग जुटे। लोगों प्रदर्शनकारियों ने अचानक वाहनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। प्रदर्शनकारियों को शांत कराने के लिए पुलिस ने लाठियां पटकीं तो भगदड़ मच गई। कल शाम से ही शहर भर में बढ़ा दी गई थी चौकसी इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के एलान के बाद से शहर में गहमागहमी का माहौल है। मौलाना ने आई लव मोहम्मद मामले में डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजने की बात कही है। ज्ञापन में लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से शामिल होने की अपील की। इसके मद्देनजर बृहस्पतिवार शाम से ही शहर में चौकसी बढ़ा दी गई थी।पुलिस ने सुबह से ही इस्लामिया मैदान को छावनी में कर रखा तब्दील शुक्रवार को सुबह से ही इस्लामिया मैदान और बिहारीपुर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। श्यामगंज मंडी वाले रोड पर बैरिकेडिंग करने के साथ भारी फोर्स तैनात की गई। सैलानी इलाका बंद रहा। दोपहर होते-होते लोग घरों से निकलने लगे। जुमे की नमाज के बाद लोग जुलूस के रूप से नारेबाजी करते हुए सड़कों पर निकले। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा और तोड़फोड़ शुरू कर दी, इधर पुलिस सीसीटीवी के जरिए उपद्रवियों की पहचान की जा रही है ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति 5.0 के तहत हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । मिशन शक्ति 5.0 व सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशानुसार चंचल गंगवार केंद्र प्रबंधक वन स्टॉप सेंटर बार रिंकी सैनी जिला मिशन कोऑर्डिनेटर हाफ फॉर एंपावरमेंट का वूमेन बरेली द्वारा कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन वन स्टॉप सेंटर बरेली में किया गयाद्य कार्यक्रम में हरिंद्र कौर चड्ढा अधिवक्ता द्वारा सभी प्रतिभागियों को कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैगिंग उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की ।

BSA पिटाई मामला: जांच करने पहुंचे एडी बेसिक, प्रदर्शन कर रहे कई बच्चे बेहोश; प्रिंसिपल के समर्थन में आए मंत्री

सीतापुर में बीएसए पिटाई मामले की जांच करने एडी बेसिक स्कूल पहुंचे। उन्होंने बच्चों, ग्रामीणों और स्टाफ से बात करके जानकारी ली। इस दौरान प्रधानाचार्य के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे कई बच्चे बेहोश हो गए। यूपी के सीतापुर में प्रधानाचार्य और बीएसए के बीच का मामला बढ़ता ही जा रहा है। शुक्रवार को एडी बेसिक जांच के लिए स्कूल पहुंचे। छात्र- छात्राओं ने प्रधानाचार्य के साथ न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान गर्मी से कई बच्चे बेहोश भी हो गए। उन्हें तत्काल चिकित्सकीय सहायता दी गई। मामला महमूदाबाद क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय, नदवा का है। यहां के प्रधानाचार्य ब्रजेंद्र वर्मा द्वारा बीएसए पर बेल्ट से हमला करने के मामले की जांच के लिए एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी पहुंचे। उन्होंने बच्चों और ग्रामीणों से बात करके जनकारी ली। साथ ही स्कूल के स्टाफ से भी बात कीइस दौरान प्रधानाचार्य के समर्थन में प्रदर्शन कर रही प्रीति पुत्री दिनेश, नरेंद्र कुमार पुत्र राम मनोरथ और सुनैना देवी पुत्र शैलेश कुमार बहोश हो गईं। एडी बेसिक के निर्देशन पर उन्हें तत्काल चिकित्सीय सहायता दी गई। एकतरफा दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं- मंत्री आशीष पटेल मामले में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि शिक्षक प्रकरण बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। ब्रजेंद्र वर्मा कर्मठ, ईमानदार और नियमित विद्यालय जाने वाले शिक्षक थे। उनको इस हद तक प्रताड़ित किया गया कि उन्होंने अपना आपा खो दिया। मात्र 20 सेकंड की वीडियो क्लिप के आधार पर शिक्षक को एकतरफा दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं है। %घटना की निष्पक्ष जांच होगी...% बीएसए ऑफिस में प्रवेश करने से लेकर अंत तक की सारी सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन के आधार पर दोषी पर कार्रवाई होनी चाहिए। आखिर कौन सी परिस्थितियां उत्पन्न हुईं, जिससे एक शिक्षक यह कृत्य करने पर मजबूर हुआ। इसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। इस संबंध में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से भी बात हुई है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि घटना की निष्पक्ष जांच होगी। प्रकरण में जो भी दोषी होगा, उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

समाज के वंचित वर्ग का उत्थान ही असली अंत्योदय है , विधायक संजीव अग्रवाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । एमजेपी. रुहेलखंड विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में विगत दिवस अवसर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। कुलपति प्रोफेसर के पी सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ द्य इसके उपरांत मुख्य अतिथि माननीय विधायक संजीव अग्रवाल तथा मुख्य वक्ता नरेंद्र जी (सामाजिक कार्यकर्ता एवं विचारक) का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी प्रांजल, अदिति एवं सुनैना सक्सेना ने कविता और भाषणों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वहीं मुख्य वक्ता नरेंद्र जी ने 'एकात्म मानववाद' और अंत्योदय की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं को उपाध्याय जी के विचारों से सीख लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहिए।व्यक्ति से समष्टि एवं समष्टि से परमेष्टि ये दीनदयाल जी का विचार है इसको समझ कर विकास क्रम को निचले पायदान से चलाना चाहिए तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सभी साधन पहुंचाने का प्रयास हो द्य कुलपति ने भी अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए सामाजिक समरसता और सतत विकास के मूल्यों पर जोर दिया। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन का दायित्व डॉ. विमल कुमार ने निभाया तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सौरभ वर्मा, समन्वयक, शोध पीठ द्वारा किया गया।

मिशन शक्ति: महिला की फरियाद सुन एक दिन की एसीपी बनीं छात्रा ने कराई कार्रवाई, सकुशल संपन्न करवाई जुमे की नमाज

मिशन शक्ति के तहत एक दिन की एसीपी बनीं छात्रा ने महिला की फरियाद सुन कार्रवाई कराई। फिर उन्होंने जुमे की नमाज सकुशल संपन्न करवाई। थाने का भ्रमण किया और क्षेत्र में घूमकर लोगों से बातचीत भी की।राजधानी लखनऊ में निगोहां स्टेशन रोड निवासी 11वीं की छात्रा आन्या शुक्ला के लिए शुक्रवार का दिन काफी अहम था। वजह यह कि मिशन शक्ति अभियान के तहत उनको एक दिन के लिए मोहनलालगंज का एसीपी बनाया गया। बतौर एसीपी उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं, थाने का भ्रमण किया और क्षेत्र में घूमकर लोगों से बातचीत की। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को जागरूक करने और उनके आत्मविश्वास को जगाने के मकसद से शुक्रवार को आन्या शुक्ला को एसीपी की जिम्मेदारी दी गई। सुबह छात्रा एसीपी दफ्तर पहुंची और बतौर एसीपी कामकाज शुरू किया। इस दौरान दहियर गांव निवासी रूपरानी शिकायत लेकर पहुंची। बच्चों सहित घर से निकालने की धमकी देता है पति उन्होंने बताया कि शराब के लिए रुपये न देने पर बेटे ने उनके साथ मारपीट की है। उनकी शिकायत सुनते हुए एसीपी बनी छात्रा ने इंस्पेक्टर मोहनलालगंज को आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। इसके बाद पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। इसके बाद गोबिंदपुर निवासी सुमन पति की शिकायत लेकर पहुंची। सुमन ने बताया कि पति शराब पीकर मारपीट करता है। बच्चों सहित उन्हें घर से निकालने की धमकी देता है। आन्या की शिकायत पर छात्रा ने बीट प्रभारी सौरभ सिंह को फोन कर एक घंटे में आरोपी के कार्रवाई करने के लिए कहा। इसके अलावा मेरठ निवासी रमेश चंद्र वर्मा ने गांव सिसेंडी पुलिस चौकी के मीनापुर में खरीदी गई भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की। आन्या ने फौरन चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार को पीड़ित की शिकायत का फौरन समाधान करने के लिए कहा। छात्रा ने मोहनलालगंज थाने का निरीक्षण किया- फरियादियों की शिकायत सुनने के बाद छात्रा ने मोहनलालगंज थाने का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली, महिला हेल्प डेस्क और रजिस्टरों को देखा। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें पुलिसिंग की बारीकियों से अवगत कराया। इसमें अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, जनसंपर्क और तत्काल समस्या निस्तारण जैसे अहम विषय शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान छात्रा आन्या एसीपी की सरकारी गाड़ी से जुमे की नमाज को देखते हुए इलाके की एक मस्जिद में पहुंचकर नमाज को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराया। साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में योगदान देने वाले नागरिकों को धन्यवाद दिया। इसके बाद छात्रा ने पिंक बूथ का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर एसीपी रजनीश वर्मा, प्रभारी निरीक्षक डीके सिंह, थानाध्यक्ष अनुज तिवारी और बाल अधिकार आयोग के सदस्य डॉ. अमरदीप सिंह भी उपस्थित रहे। हाईस्कूल में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए थे एसीपी ने बताया कि छात्रा आन्या शुक्ला ने इस साल यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। वह मोहनलालगंज क्षेत्र की टॉपर थीं। उनके परिवार में पिता जय शंकर शुक्ला, मां अनुपमा शुक्ला और छोटी बहन आद्या शुक्ला हैं।

असपा के बहुजन एकता सम्मेलन ने रचा इतिहास, हजारों कार्यकर्ताओं ने भरी एकजुटता की हुंकार

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक बहुजन एकता सम्मेलन ने जिले के माधोटांडा (पूरनपुर विधानसभा) में बहुजन समाज की एकजुटता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। आज दोपहर 12 बजे निकट बी.एस.एन.एल. टावर, हाजी जी के सेलर के पास आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में हजारों समर्पित पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बहुजन भाईचारा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कलीनगर विधानसभा के नवनियुक्त विधानसभा संयोजक हनीफ मियां के सौजन्य से संपन्न इस सम्मेलन ने सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की लड़ाई को नई गति प्रदान की। कार्यक्रम की शुरुआत जय भीम और जय भारत के उद्घोषों से हुई, जहां मुख्य अतिथि आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रदेश सचिव माननीय नईम रज़ा ने बहुजन समाज को संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांशीराम साहब के सपनों को साकार करने के लिए आज का यह सम्मेलन एक मील का पत्थर साबित होगा बहुजन समाज के लोगों को एक साथ खड़ा होना होगा, क्योंकि आज के हालात ऐसे बना दिए गए हैं जहां दलित पिछड़ों मुसलमान किसने के अधिकारों को छीना जा रहा है। बाबा साहब के द्वारा दिए गए खूबसूरत संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 27, 28 में दी गई धार्मिक आजादी के अनुसार कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है, और किसी भी धर्म के पेशवा का नारा लगा सकता है यह हमारे भारत देश की खूबसूरती है कि इस देश के अंदर कोई जय श्री राम का नारा लगाता है, कोई आई लव कृष्ण का नारा लगाता है, कोई वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह का नारा लगाता है, कोई जय भीम का नारा लगाता है तो फिर इस देश के अंदर आई लव मोहम्मद कहने पर पाबंदी क्यों? जबकि मोहम्मद साहब ने पूरी दुनिया को मोहब्बत का पाठ पढ़ने का काम किया है। नईम रज़ा ने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में बहुजन हितों की रक्षा पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथियों में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मंडल संयोजक माननीय नियाज अहमद अंसारी, भीम आर्मी के जिला संयोजक माननीय सौरभ भारतीय, कुर्मी भाईचारा कमेटी के जिला संयोजक माननीय सुभाष गंगवार, भाईचारा कमेटी के जिला संयोजक एडवोकेट माननीय नंदकिशोर तथा मुस्लिम भाईचारा कमेटी के जिला संयोजक माननीय इमरान बाबू ने अपनी प्रेरक वक्तव्य दिए। सौरभ भारतीय जी ने कहा देश में धार्मिक आजादी होने के बावजूद भी आई लव मोहम्मद कहने पर पाबंदी क्यों मैं भी कहता हूं आई लव मोहम्मद! सभी वक्ताओं ने शिक्षा, संगठन और संघर्ष के माध्यम से बहुजन समाज को सशक्त बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में निवेदकों अब्दुल कादिर (नगर अध्यक्ष, भाईचारा कमेटी, आजाद समाज पार्टी, पूरनपुर), विजय कुमार (भीम आर्मी भारत एकता मिशन, पूरनपुर), शुभम कुमार सागर (नगर अध्यक्ष, भीम आर्मी, पूरनपुर) तथा नरेश पाल (नगर अध्यक्ष, कलीनगर) ने सक्रिय भूमिका निभाई। माधौ टांडा और पूरनपुर के सभी योद्धाओं की मेहनत ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सम्मेलन के समापन पर प्रतिभागियों ने बहुजन एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में बहुजन आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं ने इतिहास रच दिया।

सहारनपुर में जुमे की नमाज के बाद लहराया आई लव मोहम्मद का पोस्टर, पुलिस ने पकड़कर किया ये काम

शहर में जुमे की नमाज के बाद एक युवक ने पोस्टर निकाला और लहराने लगा। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ के लिए अपने साथ ले गए।महानगर में जुमे की नमाज के दौरान एक युवक ने %आई लव मोहम्मद% के नाम का पोस्टर लहराया। इसके बाद पुलिस ने तुरंत उसे पकड़ लिया। काफी जद्दोजहद के बाद उससे पोस्टर छीन लिया और अपने साथ ले गई। महानगर की जामा मस्जिद में शुक्रवार दोपहर एक बजे नमाज शुरू हुई। नमाज अदा होने के बाद नमाजी अपने-अपने घर की ओर जाने लगे, तभी उनमें से एक व्यक्ति ने अपनी जेब में से आई लव मोहम्मद लिखा पोस्टर निकालकर लहराना शुरू कर दिया। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल उस व्यक्ति को पकड़ लिया और उसे वहां से ले गए। इस दौरान कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल हो गया। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए कड़े बंदोबस्त किए थे। मौके पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल एवं अधिकारी मौजूद रहे। बताया गया कि पुलिस उक्त व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।

800 वर्षों से भी अधिक प्राचीन मंदिर, मां ने दिलाई नकटा दानव से मुक्ति

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत- पीलीभीत शहर में स्थित माता यशवंतरी देवी मंदिर न केवल पीलीभीत बल्कि आसपास के तमाम इलाकों के लिए आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। नवरात्रि के दौरान दूर-दराज से हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर 800 वर्षों से भी अधिक प्राचीन है। हालांकि उत्तर प्रदेश गजेटियर के अनुसार इसका निर्माण 400 साल पहले हुआ था। मान्यता है कि पूर्णागिरी से लौटकर आते समय मां यशवतंरी देवी के दर्शन करने के बाद ही यात्रा पूर्ण मानी जाती है। मंदिर के शुरुआत से ही यहां प्राचीन तालाब है, जो आज भी बरकरार है। नवरात्रि पर हजारों श्रद्धालु मंदिर में मां का आशीर्वाद लेने आते हैं। पीलीभीत में शहर के बीचो-बीच स्थित यशवंतरी मंदिर का इतिहास लगभग सैकड़ों साल पुराना है। इस मंदिर की काफी मान्यता है। यहां पर हर वर्ष नवरात्रि में मां यशवंतरी के दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, हजारों साल पहले नकटा दानव नाम का एक राक्षस था। जिसने यहां के लोगों का जीना मुश्किल कर रखा था। इस राक्षस के अत्याचार से छुटकारा पाने के लिए यहां के लोगों ने हवन-पूजन किया, जिसके बाद यशवंतरी देवी ने यहां अवतार लिया और नकटा दानव नामक राक्षस का वध कर दिया। नकटा राक्षस को मारने के बाद मां यशवंतरी देवी ने पानी पिया था, जो जल आज भी मां यशवंतरी देवी के मूर्ति के नीचे स्थित है। यशवंतरी देवी मंदिर से करीब 500 मीटर की दूरी पर आज भी नकटादाना राक्षस के नाम पर चौराहा बना हुआ है, जो शहर के सबसे व्यस्ततम चौराहे में से एक है। यह चौराहा टनकपुर हाइवे पर मौजूद है। बताया जाता है कि राक्षस इसी चौराहे पर खड़ा होकर लोगों को जिंदा खा जाता था, इसलिए इस चौराहे को नकटादाना चौराहे के नाम से जाना जाता है। वैसे तो यहां दर्शन पूजन के लिए प्रतिदिन भक्त पहुंचते हैं परंतु नवरात्रों में काफी अधिक भीड़ रहती है और श्रद्धालु निरंतर भजन पूजन व कीर्तन करते रहते हैं। मंदिर के महंत पं. राजेश बाजपेयी ने बताया कि वे अपने परिवार की 8वीं पीढ़ी से हैं, जो इस समय मंदिर में सेवा कर रहे हैं। उन?होंने बताया कि मां यशवन्तरी देवी का मंदिर करीब 800 वर्ष पुराना है, वहीं उत्तर प्रदेश गजेटियर के अनुसार मंदिर का इतिहास लगभग 400 वर्ष से भी अधिक पुराना है। उन्होंने बताया कि पौराणिक काल में पीलीभीत के चारों तरफ पीली मिट्टी से बनी एक दीवार हुआ करती थी, जिसके आधार पर शहर का नाम पीलीभीत पड़ा। वहीं इसके चार द्वार हुआ करते थे, उत्तरी द्वार पर नकटा नाम का एक राक्षस पीलीभीत में आने-जाने वाले मवेशी और लोगों को अपना शिकार बनाता था। मां यशवन्तरी देवी काली का स्वरूप थीं उन्होंने नकटा राक्षस का वध कर पीलीभीत को बचाया था। ऐसे में मां यशवंतरी देवी ने राक्षस का वध करने के बाद जहां विश्राम किया था और जल ग्रहण किया था, वहां इस मंदिर की स्थापना की गई है। आज भी मंदिर में वध में प्रयोग किए गए शस्त्र और जल सेवन करने वाला पात्र मौजूद हैं, जिसकी यहां आने वाले श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना करते हैं।

स्वदेशी जागरण अभियान एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखण्ड शिवपुरी के तत्वावधान में स्वदेशी जागरण अभियान एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय) शिवपुरी में संगोष्ठी एवं रैली का आयोजन किया गया। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) सत्र 2025-26 का सत्रारंभ पर्व भी मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री दर्जा राजू बाथम मुख्य अतिथि रहे, जबकि स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक राकेश शर्मा, कोलारस महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. राजीव दुबे, जनभागीदारी समिति पीजी कॉलेज अध्यक्ष अमित भार्गव, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक डॉ. रीना शर्मा एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र राजपूत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. रीना शर्मा ने बताया कि सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के अंतर्गत नवीन छात्रों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का सत्रारंभ पर्व मनाया जा रहा है। साथ ही 25 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जिले में स्वदेशी जागरण अभियान चलाकर नागरिकों को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग हेतु प्रेरित किया जाएगा। मुख्य अतिथि राजू बाथम ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एकात्म मानववाद के प्रणेता थे, जिन्होंने सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की दिशा में कार्य किया। वहीं राकेश शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत के संकल्प पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को राष्ट्रहित में जरूरी बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। संचालन सलोनी शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएँ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक को संबोधित करतीं सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल

क्यूँ न लिखूँ सच/ न्यूरिया। थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें आगामी शारदीय नवरात्र, दुर्गा पूजा, दशहरा व दीपावली पर्व को आपसी सौहार्द एवं शांति के साथ मनाने का आह्वान किया गया। बैठक की अध्यक्षता सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने की। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी तरह की अफवाह या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। ऑनलाइन फ्रॉड के संबंध में उन्होंने जागरूक करते हुए कहा कि धोखेबाज लालच देकर ओटीपी पूछते हैं, जिसे साझा करने पर बैंक खाते से पैसे निकल जाते हैं। किसी भी परिस्थिति में ओटीपी किसी को न दें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना अनुमति के कोई जुलूस या नया कार्यक्रम आयोजित न किया जाए। पुलिस हर समय जनता के साथ है, किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत सूचना दें। बैठक में थाना प्रभारी सीओं गयत्री देवी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुभाष मावी, उपनिरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक रामओतर सिंह, धनकुना चौकी प्रभारी अतुल चौधरी, मझोला चौकी प्रभारी सुधीर कुमार सहित थाना का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कस्बे के सभी वार्ड सभासद, ग्राम प्रधान व मझोला से सभासद समेत बड़ी संख्या में संभ्रांत लोग भी बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री के नरवर प्रवास की तैयारियों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगामी 27 सितम्बर को नरवर प्रवास एवं सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आज कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने विस्तृत निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री चौधरी ने कृषि उपज मंडी परिसर में बनाए जा रहे सभास्थल का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था, मंच निर्माण, बैठने की सुविधा, विद्युत आपूर्ति, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं सहित समस्त व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी तैयारियाँ समय पर पूरी की जाएँ।निरीक्षण के दौरान करैरा विधायक रमेश खटीक, भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, डीएफओ सुधांशु यादव, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एसडीएम दिनेश चंद्र शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव मूले, एसडीएम करैरा शिवदयाल धाकड़ सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। कलेक्टर ने संदीपनी स्कूल नरवर के नवीन भवन का अवलोकन किया और हेलीपैड की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक पहुँच मार्ग, यातायात व पार्किंग प्रबंध पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही सीएमओ नरवर को साफ-सफाई और पेयजल की आपूर्ति पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

पीलीभीत के डॉ0 सचिन तीसरी बार विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल, परिवार में हर्ष का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड रांची के प्रोफेसर एवं पीलीभीत के निवासी डॉ0 सचिन कुमार को विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है।उनकी इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है।पीलीभीत के मोहल्ला तुलाराम निवासी सेवानिवृत्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक दयाराम माथुर के बड़े बेटे डॉ. सचिन कुमार को लगातार तीसरी बार विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान पाने पर जिले में खुशी का माहौल है। शहर के ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज से इंटरमीडियट तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमजेपी उड़ीसा के राउरकेला से पीएचडी करने के बाद वर्ष 2013 में उनकी रांची के डॉ0 सचिन कुमार सीयूजे रांची के ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग में सहायक मूल्य निर्धारण के क्षेत्र में कार्यरत हैं। ऊर्जा से संबंधित अन्य मुद्दों की खोज कर पर उनके पिता का कहना है कि बेटे की इस उपलब्धि पर परिवार को गर्व स्थित शिवाजी शिशु निकेतन में हुई। इधर, गन्ना विकास एवं चीनी मिलें दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए कहा है जनपद के लिए गर्व का विषय है। सचिन अपनी प्रतिभा और परिश्रम से इसी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित अन्य प्रोफेसरों डॉ0 भास्कर सिंह और डॉ0 अर्णब शंकर भट्टाचार्य को भी विश्व के शोधकर्ताओं द्वारा यह रिपोर्ट तैयार की जाती है और एल्सेवियर द्वारा यह रुहेलखंड विश्वविद्यालय से बीटेक और झारखंड के धनबाद से एमटेक किया। केंद्रीय विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर उनकी नियुक्ति हो गई थी। प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। वह ऊर्जा एवं पर्यावरण वैज्ञानिक हैं। वह अपशिष्ट रहे है। अब तक उनके 61 अनुसंधान प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि सचिन की प्रारंभिक शिक्षा मोहल्ले में ही राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने सचिन के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं की डॉ0 सचिन कुमार का विश्व के श्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में नाम शामिल होना प्रकार पीलीभीत सहित देश का नाम गौरवान्वित करते रहेंगे। आपको बता दे कि रिपोर्ट में केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड रांची के डॉ0 सचिन कुमार के साथ दो के शीर्ष 2 फीसदी वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है। हर वर्ष स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयों सूची प्रकाशित की जाती है। विगत 19 सितंबर 2025 को एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित सूची के अनुसार डॉ0 भास्कर सिंह लगातार पांचवें वर्ष ऊर्जा और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में, डॉ0 सचिन कुमार लगातार तीसरे वर्ष ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में और डॉ0 अर्णब शंकर भट्टाचार्य ने पहली बार एप्लाइड फिजिक्स और मटेरियल साइंस क्षेत्र में इस सूची में स्थान बनाया है। यह सूची किसी एकल वर्ष उनके काम के प्रभाव के आधार पर बनाई गई है। डॉ0 भास्कर सिंह बायोडीजल विकास के विभिन्न पहलुओं के क्षेत्र में काम करते हैं और अन्य समकालीन पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करते हैं। स्कोपस डेटा के अनुसार डॉ0 भास्कर सिंह के 110 अनुसंधान प्रकाशन (रिसर्च पब्लिकेशन) हैं, जिनमें 6535 उद्धरण (साइटेशन) हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच-इंडेक्स '39' है। डॉ0 सचिन कुमार अपशिष्ट मूल्य निर्धारण के क्षेत्र में काम करते हैं और ऊर्जा से संबंधित अन्य मुद्दों की खोज करते हैं। स्कोपस डेटा के अनुसार डॉ0 सचिन कुमार के 61 अनुसंधान प्रकाशन हैं, जिनमें 2320 उद्धरण (साइटेशन) हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच-इंडेक्स '22' है। डॉ0 अर्णब शंकर भट्टाचार्य नैनोस्ट्रक्चर्ड थिन फिल्म्स, कोटिंग्स, नैनोइंडेंटेशन अध्ययन, सरफेस इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग और ऊर्जा/बायोमेडिकल सामग्रियों के क्षेत्र में कार्यरत हैं। स्कोपस के आंकड़ों के अनुसार डॉ0 अर्णब शंकर भट्टाचार्य के 67 अनुसंधान प्रकाशन हैं, जिनमें 700 उद्धरण (साइटेशन) हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच-इंडेक्स '16' है।

संक्षिप्त समाचार

बेटी को प्रेमी के साथ देख खौला पिता का खून, दोनों को मार दी गोली; पहुंची पुलिस

युवक और किशोरी को गोली मारने की सूचना पाकर देवगांव कोतवाली की पुलिस पहुंच गई।इसके पहले आरोपी पिता मौके से भाग चुका था। किशोरी की मौत हो गई। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के लालगंज बाईपास स्थित एक रेस्टोरेंट में शुक्रवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब काउंटर के पास एक पिता ने अपनी बेटी और उसके प्रेमी को अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मार दी। गोली मारकर वह निकल गया। जबकि वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना देते हुए दोनों को अस्पताल भिजवाया। जहां दोनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। घटना में किशोरी की मौत हो गई जबकि युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। परिजन उसे वाराणसी स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराए हुए हैं।मौके पर जुटे रहे अधिकारी- जानकारी मुताबिक मसीरपुर गांव निवासी आदित्य सिंह (20) और पकड़ी खुर्द की किशोरी शुक्रवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे लालगंज बाइपास स्थित एक रेस्टोरेंट में गए थे। इसी दौरान किशोरी के पिता भी पहुंच गए। पिता-पुत्री में कुछ देर कहासुनी हुई। अचानक पिता ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली और बेटी और उसके प्रेमी को गोली मार दी। इसके बाद वह वहां से निकल गया। वहां मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। मौके पर पुलिस पहुंच गई। इसके बाद उन्हें तत्काल संयुक्त 100 सैया अस्पताल लालगंज ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने दोनों को वाराणसी हायर सेंटर रेफर कर दिया। लड़के की हालत गंभीरलड़की की मौत हो गई, जबकि आदित्य की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। इस बाबत एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि लड़की के पिता ने ही दोनों पर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली चलाई। इलाज के दौरान वाराणसी में डॉक्टरों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आदित्य का इलाज जारी है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शाहजहांपुर में बेटे के नामकरण की दावत न देने पर पिता की हत्या, प्रधान के पति ने सीने में मारी गोली

शाहजहांपुर के तिलहर क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात हुई है। बेटे के नामकरण की दावत के दौरान उसके पिता की हत्या कर दी गई। परिजनों ने प्रधान के पति और उसके दो बेटों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिजनों ने प्रधान पति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय युवक की बृहस्पतिवार रात प्रधान के पति सुखदेव ने नामकरण की दावत में न बुलाने पर गोली मार हत्या कर दी। मृतक के परिजनों ने गोली मार भाग रहे सुखदेव को मौके से पकड़कर पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक के पिता ने आरोपी सुखदेख, उसके दोनों बेटे धीरेंद्र और धर्मेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। घर की महिलाओं से छेड़खानी करने का आरोप भी लगाया है।

मृतक के पिता ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बृहस्पतिवार रात घर पर पोते के नामकरण संस्कार की दावत चल रही थी। काफी मेहमान थे। खुशी का माहौल था। नाच गाना चल रहा था। रात करीब 11 बजे प्रधान के पति सुखदेव के बेटे धर्मेंद्र वर्मा व धीरेंद्र वर्मा घर में घुसकर महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें करने लगे। विरोध करने पर दोनों भाइयों ने गाली गलौज की। देख लेने की धमकी देते हुए घर से चले गए। मेहमानों के सामने मारी गोली - पीड़ित ने बताया कि करीब आधा घंटे बाद दोनों भाई धीरेंद्र व धर्मेंद्र अपने पिता सुखदेव के साथ आए और अधिकारियों तक पहुंच बताते हुए गालियां देने लगे। सुखदेव व धीरेंद्र के पास तमंचा और धर्मेंद्र के हाथ में चाकू था। विरोध करने पर धीरेंद्र व उसके भाई धर्मेंद्र ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद मेहमानों के सामने प्रधान के पति सुखदेव ने उसके सीने पर तमंचे से गोली मार दी। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। लोगों ने आरोपी को दबोचा - मृतक के पिता ने बताया कि वह रिश्तेदारों की मदद से आनन-फानन बेटे को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे। डॉक्टर ने चेकअप कर बेटे को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि लोगों के सहयोग से आरोपी सुखदेव को घर के अंदर ही पकड़ लिया गया। इसके बाद उसके दोनों बेटे तमंचे से फायर करते हुए भाग गए। घायल आरोपी को अस्पताल में कराया गया भर्ती एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि मृतक युवक के घर बृहस्पतिवार रात बेटे के नामकरण की दावत चल रही थी। पता चला है कि युवक ने ग्राम प्रधान के पति को दावत नहीं दी थी। इससे नाराज होकर प्रधान के पति ने घर आकर अवनीश को गोली मार दी। अस्पातल में युवक को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के परिजनों ने आरोपी को मौके से पकड़ लिया। उसे भी चोटें आईं हैं। हिरासत में लेकर आरोपी को उपचार के लिए रेफर किया गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट व जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- आजम खान पार्टी के संस्थापक सदस्य, बसपा में नहीं जा रहे

सपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और फतेहपुर के सांसद नरेश उत्तम पटेल बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने यहां सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता की। आजम खान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि आजम खान सपा के संस्थापक सदस्य हैं। वह बसपा में नहीं जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और फतेहपुर के सांसद नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि आजम खान

देश के जाने-माने नेता और सपा के संस्थापक सदस्य हैं। उन पर रंजिश में बेवजह मुकदमे थोपे गए हैं। वह बसपा में नहीं जा रहे हैं। बसपा में उनके जाने की कहानी मनगढ़ंत है। डबल इंजन की सरकार ने जनता को डबल दुख दिए हैं। इसलिए 2027 में एक इंजन का फेल होना तय है। बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचे सपा सांसद ने कहा कि हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान जेल से बाहर आ गए हैं। इससे सपा का एक-एक कार्यकर्ता और पदाधिकारी बहुत खुश हैं। हमें न्यायपालिका से ही उम्मीद थी और वहीं से राहत भी मिली है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में किसान, नौजवान और व्यापारियों से लगायत सभी वर्ग के लोग परेशान हैं। %भाजपा को सत्ता से हटाएगा पीडीए%- उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। पीडीए के लोगों को सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ही उनका हक दिलाएंगे। पीडीए ही भाजपा को सत्ता से हटाएगा। सपा सांसद ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ स्तर पर अभी से जुट जाएं। कार्यकर्ताओं की बदौलत ही 2027 के चुनाव में हमारे अध्यक्ष अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री दोबारा बनेंगे। सपाइयों ने बरेली जंक्शन पर किया स्वागत- बरेली जंक्शन पर सांसद नरेश उत्तम पटेल के आगमन पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान सपा के जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, पूर्व विधायक सुल्तान बेग व विजय पाल सिंह, शुभलेश यादव, कदीर अहमद, जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव, द्रोण कश्यप सहित कई लोग मौजूद रहे।

जनता की चेतावनी – गो.ग.पार्टी का बड़ा आंदोलन, 3 अक्टूबर को तहसील बिहारपुर का घेराव

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता, बिहारपुर। सूरजपुर जिले के बिहारपुर क्षेत्र में जनता का सब्र अब टूटने लगा है। लगातार अनदेखी और लापरवाही से नाराज़ ग्रामीणों ने जनहित की मांगों को लेकर आम सभा, विशाल रैली और तहसील घेराव का ऐलान कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि दिनांक 10 सितंबर 2025 को कलेक्टर सूरजपुर को आवेदन देकर कई गंभीर और ज्वलंत मुद्दों की लिखित शिकायत की गई थी। इन मुद्दों में– एक वर्ष से लंबित सिमांकन कार्य, हल्का पटवारी रितुराज टेकाम द्वारा आवेदक जगमोहन पण्डो से गाली-गलौज व मारपीट, ग्राम पंचायत खोहिर में 59 फर्जी वन अधिकार पट्टा जारी, हल्का नंबर 9 पटवारी भारत राम पैकरा पर पहले ही मनमानी करने का आरोप लगाया गया है और एक ही स्थान में लगभग 8 साल से कार्य कर रहे हैं 60-65 वर्षों से काबिज कास्त व्यक्तियों को छोड़कर पैसों के लेनदेन के आधार पर दूसरों को पट्टा देने जैसी गंभीर अनियमितताएं शामिल हैं।आवेदन के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने पर ग्रामीणों ने अब 3 अक्टूबर 2025 (शुक्रवार) को तहसील बिहारपुर का पूर्ण घेराव करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि इस बार भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर, अनुविभागीय अधिकारी भैयाथान और तहसीलदार बिहारपुर को लिखित सूचना देकर प्रशासन को संभावित स्थिति की पूरी जिम्मेदारी लेने के लिए आगाह किया गया है। ग्रामीणों का कहना है – अब तक न्याय नहीं मिला तो चुप नहीं बैठेंगे, जब तक हर समस्या का हल नहीं होगा, तहसील परिसर में डटे रहेंगे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं ने सीखी बैंकिंग व डाक सेवाओं की बारीकियाँ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ नारी सशक्तिकरण की दिशा में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद में जागरूकता व कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियाँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गुढ़ा, छौंक एवं नगर क्षेत्र कोंच की बालिकाओं को बैंक तथा डाकघर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

भ्रमण के दौरान छात्राओं को बैंकिंग प्रणाली, खाते खोलने की प्रक्रिया, डिजिटल लेनदेन, बचत की महत्ता एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं डाक विभाग के अधिकारियों ने उन्हें डाक सेवाओं के साथ-साथ डाक बैंकिंग, स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री एवं नई तकनीकी सेवाओं की जानकारी विस्तार से दी।अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को आर्थिक साक्षरता से जोड़कर उन्हें भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक व शिक्षिकाओं ने भी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सीखी गई जानकारियों को व्यवहारिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

चितरंगी विधानसभा में विकास की नई दिशा – छात्रावास का लोकार्पण एवं सड़कों की स्वीकृति

क्यूँ न लिखूँ सच/ अनुपम कुमार द्विवेदी /सिंगरौली/चितरंगी। चितरंगी मंडल में मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नया जनपद पंचायत बनाने के संबंध में चर्चा की गई, जिसमें मंडल कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम में शामिल हुईं माननीय राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह जी ने इस

अवसर पर नव निर्मित छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। माननीय मंत्री जी के अथक प्रयासों से चितरंगी विधानसभा क्षेत्र को निरंतर विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। विशेष रूप से सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में अनेक महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिली है। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण अंचल में संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी और क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा। स्वीकृत सड़कों की सूची: MRy1 - बुधनापुर से नौगई टोला रा55 - भकुआ टोला से मझगवां रा53 - सुदामा टोला से महुआ टोला रा51 - मैन रोड से करियाघाट होते हुए बधौरा रा50 - रतवा टोला से बल्हाई टोला रा52 - मैन रोड से टिमरानी टोला रा54 - पचरिया टोला से बसनिया टोला रा56 - अमहर टोला से चितरंगी रा58 - मैन रोड से भैंसा टोला रा59 - सिरसी टोला से सजहा टोला रा60 - डगडगिया टोला से गढ़िया टोला रा61 - खुर्राबुड़ी टोला से बेलवा टोला रा62 - भैंसागर टोला से बैरहुला टोला रा63 - तेमुरा टोला से तेमुरा बघेल टोला रा64 - पचरिया टोला से हनुमान मंदिर रा65 - अजोडी बाग टोला से बछरिया बाग बस्ती रा66 - सिरसी टोला से परसवाही बस्ती रा67 - मझगवां टोला से बछरिया बाग बस्ती रा72 - बघेल टोला से बछरिया बाग बस्ती रा73 - बड़ोखर से महुलानी टोला रा74 - लपरी टोला से बघेल टोला रा75 - अमझोर टोला से बछरिया बाग बस्ती

संक्षिप्त समाचार

कुबेरपुर प्राथमिक शाला में अस्थायी समाधान, ज्वाइन न करने वाले शिक्षकों पर गिरेगी गाज

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिहारपुर। सूरजपुर जिले के ओडगी ब्लॉक के दूरस्थ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के कुबेरपुर प्राथमिक शाला में छात्रों की शिक्षा से जुड़ी गंभीर समस्या पर जिला शिक्षा विभाग ने तुरंत एक्शन लिया है। मामला क्या था कुबेरपुर प्राथमिक शाला में कक्षा 1 से 5 तक 121 छात्र अध्ययनरत हैं, लेकिन पढ़ाने के लिए केवल 1 शिक्षिका ही तैनात थी। इस मामले को प्रमुखता से उठाते हुए बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहे असर को सामने रखा था। जिला शिक्षा अधिकारी की सख्त पहल खबर पर संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि कुबेरपुर में प्राथमिक और माध्यमिक शाला एक ही प्रांगण में संचालित हैं। माध्यमिक शाला में फिलहाल 4 शिक्षक कार्यरत हैं। ऐसे में आदेश दिया गया है कि दोनों स्कूलों के सभी शिक्षक मिलकर प्राथमिक व माध्यमिक दोनों के बच्चों को पढ़ाएंगे, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। युक्तियुक्तकरण के बाद लापरवाही उजागर युक्तियुक्तकरण (Rationalization) के बाद जिले में 23 शिक्षक ऐसे हैं जिन्हें काउंसलिंग के आधार पर नए पदों पर भेजा गया था, लेकिन उन्होंने अब तक ज्वाइन नहीं किया है। इनमें से 10 शिक्षकों के मामले हाईकोर्ट में लंबित हैं, जबकि 13 शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। शासन ने भी आदेश जारी कर सभी स्कूलों में सर्कुलेट कर दिया है कि जो शिक्षक पदस्थापना के बाद स्कूल नहीं गए हैं, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। DEO अजय मिश्रा का बयान - बच्चों की शिक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। जिन शिक्षकों ने ज्वाइन नहीं किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। असर और संदेश फिलहाल अस्थायी व्यवस्था के

सांदीपनि विद्यालय छात्रावास का लोकार्पण, नए जनपद भवन निर्माण को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिंगरौली/चितरंगी। शुक्रवार को चितरंगी जनपद में राज्य मंत्री राधा सिंह की मौजूदगी में सांदीपनि विद्यालय छात्रावास का लोकार्पण बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

में जनपद के अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए लोकार्पण के उपरांत मंत्री राधा सिंह ने जनपद कार्यालय परिसर में बैठक ली। बैठक में नए जनपद भवन निर्माण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री राधा सिंह ने कहा कि जनपद का नया भवन समय की आवश्यकता है, जिससे जनसुविधाओं का और अधिक सुदृढ़ीकरण किया जा सकेगा। बैठक में जनपद अध्यक्ष सिया दुलारी, उपाध्यक्ष कौशल प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य कमलेंद्र प्रताप सिंह, जनपद सदस्य सुषमा सिंह, गजराज सिंह, जनपद सीईओ मानसिंह सहित सभी विभागीय अधिकारी और जनपद सदस्य उपस्थित रहे।

पुरानपारा स्कूल बना खंडहर – मासूमों की पढ़ाई खतरे में

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों स्कूल भवन जर्जर – पूर्व मुख्यमंत्री भी देख चुके, बजट स्वीकृति के बाद भी नहीं बनी बिल्डिंग, मंत्री का गिरी जिला उपेक्षित नवभारत रिपोर्टर बिहारपुर सूरजपुर जिले का चांदनी बिहारपुर क्षेत्र शिक्षा की बदहाली का गवाह बन गया है। यहां दर्जनों स्कूल भवन जर्जर हालत में खड़े हैं। बच्चे टूटी दीवारों और गिरते प्लास्टर के बीच बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इनमें सबसे बड़ी मिसाल है शासकीय प्राथमिक विद्यालय पुरानपारा। इस स्कूल में 40 से अधिक मासूम विद्यार्थी हर दिन खतरे के साये में पढ़ाई कर रहे हैं। बरसात में और बढ़ा खतरा – 4 महीने से जान जोखिम में पढ़ाई इन दिनों लगातार बरसात का मौसम चल रहा है। पिछले चार महीनों से पुरानपारा विद्यालय का जर्जर भवन और भी खतरनाक हो गया है। दीवारों से पानी रिसता है, छत से प्लास्टर झरता है और बच्चों का कक्षा में बैठना किसी बड़े हादसे को दावत देने जैसा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते हैं। हम रोज डरते हैं कि कहीं छत न गिर जाए, एक अभिभावक ने कहा। पूर्व मुख्यमंत्री का दौरा – उम्मीद टूटी 7 मई 2022 को पूर्व

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में बिहारपुर आए थे। उन्होंने पुरानटोला विद्यालय की स्थिति भी देखी थी। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब भवन निर्माण होगा। लेकिन तीन साल बाद भी हाल जस के तस हैं। विडंबना यह है कि उसी दौरे में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के भोजन का इंतजाम स्कूल से महज 50 मीटर दूर एक ग्रामीण के घर में किया, लेकिन स्कूल के सुधार पर कोई कदम नहीं उठाया। 10 लाख रुपए स्वीकृत – निर्माण फिर भी अधर में विद्यालय के लिए स्कूल जतन योजना से 10 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे। हाउसिंग बोर्ड को कार्यादेश भी जारी हुआ, लेकिन निर्माण में असमर्थता बताकर राशि लौटा दी गई। इसके बाद से अब तक न मरम्मत हुई और न ही नई बिल्डिंग बनी। मुख्य मार्ग से जुड़ा इलाका – फिर भी उपेक्षित यह विद्यालय मुख्य सड़क से थोड़ी दूरी पर स्थित है। यही मार्ग बिहारपुर को सूरजपुर, मध्यप्रदेश (सिंगरौली) और उत्तरप्रदेश से जोड़ता है। यानी यह इलाका एक अहम जंक्शन है। बावजूद इसके, यहां का विद्यालय सालों से जर्जर भवन में ही चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है – जब मुख्य मार्ग से लगे स्कूल की यह हालत है, तो अंदरूनी गांवों का क्या हाल होगा? जिलेभर में बदहाल स्कूल सिर्फ पुरानपारा ही नहीं, चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के कई विद्यालय जर्जर हालत में हैं। कहीं छत टपक रही है, तो कहीं दीवारों में गहरी दरारें हैं। जनप्रतिनिधियों की चुप्पी यह क्षेत्र भटगांव विधानसभा में आता है। यहां से चुनी गई वर्तमान विधायक प्रदेश सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं। ग्रामीणों का कहना है – जब मंत्री का अपना जिला बदहाल स्कूलों से जूझ रहा है, तो बाकी जगह क्या उम्मीद की जा सकती है? ग्रामीणों की व्यथा शिक्षक सूरज कुमार – कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री तक को पत्र लिखे, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बच्चों की जान हर दिन जोखिम में है। ग्राम सरपंच फुलमती सिंह- पांच साल से बिल्डिंग की मांग हो रही है। प्रशासन सिर्फ कागज़ी कार्रवाई करता है। उपसरपंच/अभिभावक – बरसात में प्लास्टर गिरता है। बच्चे डर के माहौल में पढ़ते है नए सत्र की चुनौती जिले में शाला प्रवेश उत्सव, किताब और गणवेश वितरण की तैयारियां हो रही हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या नए शैक्षणिक सत्र में भी बच्चों को उसी खंडहरनुमा भवन में बैठाना पड़ेगा? क्षेत्र = चांदनी बिहारपुर, जिला सूरजपुर मुख्यालय से दूरी = 110 किलोमीटर विद्यालय = शासकीय प्राथमिक विद्यालय पुरानपारा छात्र संख्या = 40+ भवन = 2 कमरे, दोनों जर्जर स्वीकृत राशि = 10 लाख (स्कूल जतन योजना) स्थिति = हाउसिंग बोर्ड ने राशि लौटाई अन्य विद्यालय = क्षेत्र में दर्जनों स्कूल जर्जर, बरसात में बड़ा खतरा चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के स्कूलों की बदहाली ने शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। पूर्व मुख्यमंत्री का निरीक्षण, बजट स्वीकृति और वर्तमान मंत्री का क्षेत्र होने के बावजूद बच्चों को सुरक्षित भवन न मिलना गंभीर सवाल खड़ा करता है। कब तक मासूमों को खंडहर में पढ़ाई करनी पड़ेगी? क्या सरकार बच्चों की सुरक्षा और भविष्य दोनों से खिलवाड़ करती रहेगी? और आखिर कब तक बजट लौटा और कार्यादेश निरस्त जैसी कहानियां दोहराई जाती रहेंगी?

देवहा नदी किनारे कूड़ा डालने पर नगर पालिका पर 20 हजार रुपये का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत- पीलीभीत के वन एवं वन्यजीव प्रभाग ने पीलीभीत में रोडवेज बस स्टैंड के पास देवहा नदी के किनारे कूड़ा डालने पर नगर पालिका परिषद पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।आपको बता दें की मंगलवार को सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार को सूचना प्राप्त हुई कि देवहा नदी की ओर नगर पालिका की एक जेसीबी और टैक्ट्रर-ट्रॉली कूड़ा डालने जा रही है। सूचना के आधार पर डीएफओ भरत कुमार ने मौके पर सामाजिक वानिकी की टीम को भेजा। टीम ने मौके पर एक टैक्ट्रर-ट्रॉली और जेसीबी को पकड़ लिया। विभाग ने दोनों वाहनों को जब्त कर नगर पालिका परिषद के खिलाफ केस दर्ज किया है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के

नियमों के तहत नदियों में कचरा डालना पूरी तरह प्रतिबंधित है। यह दंडनीय अपराध है। नगर पालिका की अध्यक्ष आस्था अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी वर्षा के कारण आई बाढ़ से मीरापुर गांव में निर्धारित डंपिंग यार्ड तक जाने वाली दो किलोमीटर लंबी सड़क दलदली भूमि में बदल गई, जिससे कचरा लदे वाहनों का वहां तक ??पहुंचना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा हालांकि मीरापुर कूड़ाघर की सड़क जिला पंचायत के अधीन है, फिर भी हमने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जल्द ही इसकी मरम्मत कराने की योजना बनाई है। फिलहाल हमने जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र सिंह से कूड़ा डंप के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक वैकल्पिक स्थल आवंटित करने का अनुरोध किया है। प्रभागीय वन अधिकारी भरत कुमार ने बताया कि नगर पालिका को न्यूनतम दंड दिया गया है क्योंकि यह पहली बार है जब उसे एनजीटी के मानदंडों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। डीएफओ ने कहा यह कचरा न केवल सड़क किनारे लगे पेड़ों के अस्तित्व के लिए खतरा है, बल्कि मिट्टी और वायु प्रदूषण भी फैलाता है। दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की पहल की जा रही है।

Along with strengthening the spine, Gaumukhasana will also provide numerous benefits. Make it a part of your daily routine starting today.

Gaumukhasana is a very effective posture in which the body is shaped like a cow's face. It positively affects the shoulders, back, thighs, and lungs. It is extremely beneficial for both body and mind. Let's explore some of the amazing benefits of practicing it daily. Yoga is a great way to stay healthy. Gaumukhasana is one such posture. It alleviates many problems. While yoga offers many postures that help maintain balance between body, mind, and spirit, Gaumukhasana is considered particularly effective. This posture strengthens the body and provides mental stability. "Gaumukha" means "cow's face," because the body shape in this posture resembles a cow's face. So let's explore some of the key benefits of this powerful asana: Relieves Shoulder Stiffness - This asana loosens the stiffness of the shoulders and flexes the muscles around them, providing relief from stiffness and pain. Strengthens the Spine - Keeping the back straight strengthens the spine and improves body posture. Improves Breathing Capacity - The expansion of the chest during this asana provides more oxygen to the lungs, improving respiratory capacity. Beneficial for Diabetes - This asana activates the pancreas, thereby balancing insulin release. Flexes the Hips and Thighs - The specific positioning of the legs stretches the muscles of the thighs and hips. Relief from Arthritis and Sciatica - This asana has a positive effect on the joints and nerves, providing relief from joint pain and sciatica. Relieves Stress and Anxiety - Regular practice reduces mental stress and keeps the mind calm. Strengthens the nervous system- This asana activates the nerves, due to which the entire nervous system remains active. Maintains hormonal balance- It helps in hormonal balance by affecting the endocrine system of the body. Beneficial in urine related problems- It strengthens the urinary tract and reduces the chances of infection. Helps in concentration- Its regular practice increases concentration, which makes meditation more effective. Gaumukhasana not only gives physical flexibility and strength, but also maintains mental balance and energy. If done correctly daily, amazing changes are seen in both the body and mind. Initially, do it under the supervision of an expert so that the correct pose and balance can be achieved.

The 6-6-6 technique is an effective way to stay fit. Following it daily will yield six significant benefits.

The 6-6-6 walking rule is a simple yet highly effective method. It offers six health benefits. Regularly practicing it improves sleep quality and maintains energy throughout the day. Let's explore some of its many benefits. Walking is a great exercise for staying healthy and offers numerous health benefits. The 6-6-6 technique is a simple and innovative method. In today's fast-paced life, keeping oneself healthy should be a top priority, but often, busy schedules, irregular eating habits, and limited physical activity prevent people from paying attention to their health. If you find a rule that is simple, time-consuming, and maintains both body and mind, why not adopt it? The 6-6-6 walking rule is one such simple yet effective mantra that anyone can incorporate into their daily routine. So let's learn more about this rule and its benefits. What exactly is the 6-6-6 walking rule? Wake up at 6 a.m. and then walk at least 6 kilometers, practicing this routine for six days a week. This rule is ideal for current life and doesn't require expensive gyms or equipment. All it requires is strong willpower and regularity. Morning is ideal for both body and mind, as the atmosphere is calm and refreshing. Aids in weight loss: Walking 6 kilometers on an empty stomach in the morning accelerates the body's fat-burning process. This improves metabolism and helps control weight. Beneficial for heart health: Regular walking improves blood circulation, controls cholesterol, and reduces the risk of heart disease. Helps control diabetes: Morning walks help balance blood sugar levels, making it easier to control type 2 diabetes. Improves mental health - Walking in the fresh air in the morning reduces problems like stress, irritability, and anxiety. It improves mood and keeps you energetic throughout the day. Strengthens the immune system - Regular walking increases the body's resistance to disease, providing protection against infections and seasonal illnesses. Improves sleep quality - Morning walks balance the body's biological clock, which leads to a sound and deep sleep at night.

Small things help children develop a positive mindset; follow these tips for better development.

Maintaining a positive mindset in every situation is crucial for children's mental development and self-confidence. Such children face life's challenges with courage and balance. This quality can be easily developed through proper parenting. Let's learn some parenting tips. A positive mindset is essential for children's development. It boosts children's self-confidence and is also crucial for their mental health. In today's fast-paced and competitive world, it is crucial for children to remain mentally strong and positive. When children adopt a positive mindset in every situation, they face life's challenges with confidence. This quality not only makes them successful but also helps them live a happy and balanced life. Parents play a vital role in this. Some parenting tips mentioned here will help such children stay positive. Let's learn about them. How to maintain positivity? Set a positive example - Children deeply observe everything their parents say. If you are calm, optimistic, and solution-seeking during difficult times, your child will adopt this same attitude. Encourage open communication - Talk openly with children. Let them feel they can share their problems and feelings with you. This makes them feel lighter. Offer appreciation instead of criticism - Praise them for every achievement, big or small. This builds their self-confidence and helps them see themselves positively. Teach them to embrace failure as a learning experience - Tell children that mistakes are normal and every failure offers a new lesson. This will encourage them to focus on learning rather than fear. Develop a sense of gratitude - Teach them to be thankful for everyday things. This fosters contentment and positive thinking in children. Create a positive environment - Encourage children to socialize with people who encourage them and keep them away from negativity. Participate in positive activities - Activities like yoga, meditation, creative writing, or art provide mental peace and positive thinking. Balanced use of technology - Controlling screen time is essential to keep children away from the negativity associated with social media or TV. Teach self-love - Teach children that they are good just the way they are. This develops self-confidence and positivity. A positive attitude in every situation helps children throughout their lives. Therefore, by following these tips, you can help your child become a strong, happy, and positive individual.

Diljit Dosanjh opens up on the controversy surrounding Sardar Ji 3, taunting about the India-Pakistan match

Diljit Dosanjh faced widespread criticism over the presence of Pakistani actress Hania Aamir in the film Sardar Ji 3, released on June 27, 2025. He faced various accusations, and for the first time, Diljit has spoken openly about them, and also spoke about the India-Pakistan match. Diljit Dosanjh breaks silence on the Sardar Ji 3 controversy. Diljit taunts about the Pakistan-India match - Singer says Punjabis will never go against their country. Following the Pahalgam attack in Jammu and Kashmir on April 22, 2025, there was widespread anger in India against Pakistani terrorists. In retaliation for the deaths of 26 innocent people, the Indian Air Force carried out air strikes on nine terrorist bases belonging to organizations like Jaish-e-Mohammed and Lashkar-e-Taiba in Pakistan and PoK. This incident angered the entire Bollywood. The social media accounts of Pakistani artists were completely banned in India and their films were also banned. After this incident, Abir Gulaal was not released in India. When people saw Pakistani actress Hania Aamir in Diljit Dosanjh's film 'Sardar Ji 3', their anger reached the sky. This film was not released in India. Now, Diljit Dosanjh seventh has broken his silence for the first time on this entire controversy surrounding the film and has also raised questions on the India-Pakistan match in the Asia Cup. Diljit Dosanjh spoke on the controversy of Sardar Ji 3. Recently, during a concert in Malaysia, Diljit Dosanjh spoke openly on the controversy of Sardar Ji 3. The Punjabi actor said, "That is the flag of my country. When my film Sardar Ji 3 was shot in February, matches were also being played then". Paying tribute to the innocent people killed in the Pahalgam attack, Diljit Dosanjh further said, "After my film was completed, that terrorist attack took place in Pahalgam. Then and even today, we pray that the terrorists should be given the harshest punishment. The only difference is that my film was shot before the attack and the matches are being played after the attack". Punjabis can never go against the country. Diljit Dosanjh also remembered the time when after casting Hania Aamir in Sardar Ji 3, many questions like traitor were raised on him. Now, responding to this, Diljit said, "The national media tried their best to portray me as anti-national, but the Punjabi and Sikh communities can never go against their country." Expressing his grief during the Malaysia tour, Diljit also said that even at that time, he had answers to all the questions that were within him, but he kept his cool. He told his audience, "If someone says anything to you, don't keep the poison inside you. I have learned this from my life, so I didn't say anything."

This 2-hour, 30-minute blockbuster film dominated the Top 10 upon its release on OTT platforms.

OTT is awash with films. Every week, some films are released that dominate the Top 10. One film was released 10 days ago and is still making waves on OTT platforms. Let's tell you about this film. OTT is awash with films. Every week, some films are released that dominate the Top 10. One film was released 10 days ago and is still making waves on OTT platforms. Let's tell you about this film. Star Cast of Saiyaara Movie The film we're talking about is Saiyaara. The romantic musical drama, directed by Mohit Suri, was released in theaters on July 18th of this year. Produced under the banner of Yash Raj Films, the film stars Chunky Pandey's nephew Ahaan Pandey, Anit Padda, Alam Khan, Varun Badola, and Rajesh Kumar in pivotal roles. Saiyyara Movie Story: Saiyyara is the story of Vaani Batra, who finds her second love in Krish Kapoor. Vaani, a media personality, has a passion for songwriting, and Krish has a passion for singing. This connection brings them together, and they fall in love. However, Vaani's illness poses a significant challenge in their relationship. The story revolves around who wins between love and stardom. Saiyyara Movie Collection: Saiyyara received widespread praise from critics and audiences. The low-budget film has grossed ?337.78 crore at the domestic box office, and its worldwide gross is ?579.23 crore. After achieving historic box office success, it is now trending on OTT platforms. The film was released on Netflix on September 12th and is trending at number two in the top 10. If you haven't seen Saiyara yet or are thinking of watching it again, you can watch it on Netflix.

Before Raghav Juyal's 'Tamalli Maa', Kiara Advani sang 'Kaho Naa Kaho'; throwback video goes viral

Raghav Juyal, who played Parvez in Aryan Khan's debut show, The Bads of Bollywood, is receiving widespread praise. A viral scene of him singing the Arabic version of Emraan Hashmi's song, Kaho Naa Kaho, is garnering widespread praise. Meanwhile, a video of Kiara Advani is also going viral. Raghav Juyal played Parvez in Aryan Khan's debut show, The Bads of Bollywood. His stellar performance in the series is receiving widespread praise. His viral scene, as a fan of Emraan Hashmi, singing the Arabic version of Kaho Naa Kaho, is also going viral. This song is from the film Murder, featuring Emraan Hashmi. But now, internet users have discovered another interesting video in which Kiara Advani is already following the trend. Following the release of the 2019 film Kabir Singh, starring Shahid Kapoor, actress Kiara Advani appeared on a special episode of anchor Nitin Kakkar's show. Kiara Advani's video is going viral. In the video, Kiara Advani can be seen wearing headphones and trying to sing the Arabic lyrics of Emraan Hashmi's popular song "Kaho Naa Kaho." Her expressions while singing are also going viral. Sharing the clip on Instagram, Nitin wrote, "Brilliant Kiara Advani, you're giving Raghav Juyal a tough competition... Who did it better? From our great interview with #kiaraadvani - it was so much fun." Fans made funny comments. As soon as the video was posted, the comments section on the internet was flooded. One user wrote, "Raghav did it even better." Another user wrote, "You guys decide who is better?" Another wrote, "This is so cute and funny, Nitin." Raghav Juyal told how the scene was created. In an interview given to News 18, Raghav talked about his viral scene. The actor wrote, "The response was great. Aryan and I had expected this. I really worked hard on myself and created something new. I had a lot of fun. Imran sir came and that scene happened, I even started crying in the scene!" Raghav Juyal played the role of Lakshya (Aasman)'s best friend Parvez in the show. Earlier, both of them had worked together in Dharma Production's film 'Kill'.